भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
आतारांकित प्रश्न सं. 2237
12.03.2025 को उत्तर देने के लिए

घरेलू उपभोग व्यय पर सर्वेक्षण

†2237. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डाः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश के विभिन्न भागों में ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की औसत आय का हरियाणा सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि घरेलू उपभोग व्यय पर अंतिम राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 68वें दौर (जुलाई, 2011 - जून, 2012) द्वारा किया गया था तथा उसके बाद कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क): सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न सामाजिक-आर्थिक विषयों पर बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उत्तरदायी है। तथापि, इन सर्वेक्षणों में देश के विभिन्न भागों में ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की औसत आय का अनुमान नहीं लगाया जाता है।

(ख) से (ग): घरेलू उपभोग व्यय पर दो बैक-टू-बैक सर्वेक्षण अगस्त, 2023-जुलाई, 2024 और अगस्त, 2022-जुलाई, 2023 के दौरान आयोजित किए गए। इससे पहले, इस तरह का अंतिम सर्वेक्षण जुलाई, 2011 से जून, 2012 की अवधि के दौरान एनएसएस के 68वें दौर में आयोजित किया गया था। एचसीईएस 2022-23 और एचसीईएस 2023-24 की रिपोर्ट क्रमशः जून 2024 और जनवरी 2025 में जारी की गई और यह सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

*****